Title: Regarding dharna by Muslim Reservation Movement outside Parliamnet House today.

डॉ. शफ़ीकुर्रहमान बर्क (मुरादाबाद) : अध्यक्ष महोदय, आज दिल्ली में जन्तर-मन्तर पर मुस्लिम रिजवशन मूवमेंट के बैनर के नीचे हजारों मुसलमान धरना व प्रदशन कर रहे हैं। देश के कोने-कोने से मुसलमान आये हैं और उनकी मांग है कि मुसलमानों को जो इस रिजर्वेशन से महरूम रखा गया है और आज मुसलमान उसकी वजह से पिछड़ हुए हैं तथा उनकी तालीम की हालत बहुत ज्यादा खराब है। आज 58 साल के बाद भी मुसलमानों के साथ इंसाफ नहीं किया जा रहा है। मेरे आंकड़ों के हिसाब से कम से कम 30 करोड़ मुसलमान इस देश में रहते हैं लेकिन आज भी मुलाजमतों में उनका रेशियो दो प्रतिशत से भी कम है जबकि आजादी से पहल उनका यह रेशियो 37 प्रतिशत था। जब हिन्दस्तान के अंदर कानून बनाया गया था तो उस वक्त शैडयूल्ड कास्ट, शैडयूल्ड ट्राईब्स और ओबीसी के लोगों को रियायतें दी गईं थीं लेकिन मुसलमानों को इस कैटगरी में जो दलित मुसलमान कहलाते हैं, हिन्दुओं की तरह उनको उस कैटगरी में नहीं रखा गया जिसकी वजह से वे उन रियायतों से महरूम हैं और उनको वह फायदा भी नहीं मिल रहा है। इसलिए मैं चाहूंगा कि आज हमारे मुसलमानों ने जो धरना दिया है, मैं भी इसमें शरीक हुआ था कि हमें वे रियायतें, जो हिन्द दलितों को मिल रही हैं, वे मुसलमानों को भी दी जाए और मुसलमानों की आबादी के हिसाब से उनको रिजवशन दिया जाए। बगैर रिजवशन के इस देश के अंदर मुसलमान गरीब रहेगा, पिछड़ा रहेगा, तरक्की नही कर सकेगा। इसलिए मेरी सरकार से गुजारिश है कि सरकार इस मामले में गौर करे और मुसलमानों के साथ न्याय करे।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, अब हो गया है।

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : अध्यक्ष जी, मेरा भी सपोर्ट है। मेरा नाम भी इसमें एसोशिएट करवा दीजिए।

MR. SPEAKER: Your name will be associated.